भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

नीरज चोपड़ा ने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया

Page-04

स्टारडम की चमक या कहानी की ताकत, कौन जीतेगा दर्शकों का दिल?

Page-05

लोकसभा से पारित हुआ राष्ट्रीय सम्मान संशोधन विधेयक

वंदे मातरम् के अपमान पर 3 साल तक की सजा का प्रावधान

संसद के मानसून सत्र में गुरुवार को भारी हंगामे के बीच लोकसभा ने 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विपक्षी दलों के लगातार विरोध और नारेबाजी के बावजूद सरकार ने विधेयक को सदन से मंजूरी दिलाई। इसके बाद भी हंगामा जारी रहने पर लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।इस संशोधन विधेयक के तहत राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ-साथ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को भी समान सम्मान देने का प्रावधान किया गया है। नए कानून के अनुसार, राष्ट्रगीत के गायन के दौरान किसी भी प्रकार का व्यवधान, अपमान या अवमानना अब आपराधिक अपराध माना जाएगा। दोषी पाए जाने पर अधिकतम तीन वर्ष की सजा का प्रावधान रखा गया है। सरकार का कहना है कि यह कानून राष्ट्रीय प्रतीकों और देश की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान को और मजबूत करेगा। उधर, राज्यसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया। विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। इस दौरान मनुस्मृति को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच भी तीखी नोकझोंक हुई, जिससे सदन का माहौल गरमा गया।

पेलेट गन विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

CJP प्रदर्शनकारियों की 13 एफआईआर वापस लेगी दिल्ली पुलिस

संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर छिड़ा विवाद अब न्यायपालिका और सियासत दोनों के केंद्र में आ गया है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि मौजूदा कानूनों में बदलाव किए बिना पेलेट गन के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती, वहीं दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज 13 एफआईआर वापस लेने का फैसला किया है।

हालांकि यह राहत केवल उन लोगों तक सीमित रहेगी, जिन पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या सुरक्षा बलों पर हमले जैसे गंभीर आरोप नहीं हैं।प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने पेलेट गन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यदि याचिकाकर्ता इन हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह समाप्त करना चाहते हैं तो उन्हें उन कानूनी प्रावधानों को ही संविधान के अनुच्छेद-21 के उल्लंघन के आधार पर चुनौती देनी होगी, जो असाधारण परिस्थितियों में भीड़ नियंत्रण के लिए इनके इस्तेमाल की अनुमति देते हैं।सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी विशेष घटना में पेलेट गन के कथित दुरुपयोग की जांच कराई जा सकती है। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) के महानिरीक्षक को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए CJP प्रदर्शन के दौरान तैनात जवानों के हथियारों और इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।यह याचिका पूर्व आईबी विशेष निदेशक यशोवर्धन आजाद और दो घायल युवकों की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि धातुयुक्त पेलेट गनों को भले ही "कम घातक" हथियार बताया जाता हो, लेकिन नजदीक से चलाए जाने पर ये आंखों और शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 19 वर्षीय साहिल लोछाब की गंभीर आंख की चोट का भी हवाला दिया।याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने अदालत को बताया कि पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPRD) की भीड़ नियंत्रण संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) में पेलेट गन के इस्तेमाल का कोई उल्लेख नहीं है। हालांकि न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि संबंधित दस्तावेज केवल एक प्रस्ताव है और वर्तमान व्यवस्था में "ग्रेडेड रिस्पॉन्स" के तहत पेलेट गन के इस्तेमाल का प्रावधान मौजूद है।सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और ऐसे आंदोलनों में अहिंसक तरीके अपनाए जाने चाहिए।

अभिजीत दिपके का केंद्र सरकार पर हमला अमित शाह के इस्तीफे की मांग

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिपके ने दावा किया कि इस महीने की शुरुआत में नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश गृह मंत्री अमित शाह की ओर से दिए गए थे। हालांकि, इन आरोपों पर केंद्र सरकार या गृह मंत्रालय की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।दिपके ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं और लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी अब केवल विपक्ष की नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दलों को कमजोर करने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिवसेना और एनसीपी जैसी पार्टियों के मामलों में भी ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग किया गया और संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने में विफल रही हैं। उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि देश की प्रमुख संस्थाओं का दायित्व लोकतंत्र को मजबूत करना है, न कि किसी एक व्यक्ति के प्रभुत्व को बढ़ावा देना। दिपके ने कहा कि अगर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत रखना है, तो सभी नागरिकों को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी।

खरगे बोले- संशोधन विधेयक पर्याप्त नहीं

NEET पेपर लीक पर सरकार को घेरा

राज्यसभा में 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि NEET पेपर लीक से लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा और सरकार का लाया गया संशोधन विधेयक समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं करेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक का स्वागत करती है, लेकिन देश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए इससे कहीं अधिक ठोस कदम उठाने की जरूरत है।खरगे ने सरकार से समयबद्ध वार्षिक परीक्षा कैलेंडर लागू करने की मांग की, ताकि परीक्षाओं में पारदर्शिता और नियमितता बनी रहे। उन्होंने हाल ही में छात्र आंदोलनों के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई कथित कार्रवाई की न्यायिक जांच कराने की भी मांग की। उनका कहना था कि छात्रों के साथ हुए व्यवहार की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।सरकार पर सवाल उठाते हुए खरगे ने कहा कि यदि अब परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए संशोधन किए जा रहे हैं, तो यही कदम दो वर्ष पहले मूल कानून बनाते समय क्यों नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि सरकार की देरी का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश NEET पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के आंदोलनों से गूंज रहा था, तब प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने न तो संसद में इस मुद्दे पर कोई बयान दिया और न ही छात्रों की चिंताओं का जवाब दिया। खरगे ने सवाल किया कि जो गृह मंत्री छोटे-छोटे मुद्दों पर संसद में अपनी बात रखते थे, वे इस गंभीर मामले पर क्यों चुप रहे।

भोजशाला विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

मुस्लिम पक्ष के लिए पास में नमाज़ की व्यवस्था करे मध्य प्रदेश सरकार

मध्य प्रदेश के धार स्थित विवादित भोजशाला-कमल मौला परिसर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से कहा है कि वह मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए शुक्रवार की नमाज़ अदा करने की उचित व्यवस्था विवादित परिसर के नज़दीक ही सुनिश्चित करे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि तय की गई जगह उपयुक्त नहीं होती है, तो दोनों पक्षों की सहमति से आसपास कोई अन्य स्थान भी चुना जा सकता है।भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस महीने की शुरुआत में दिए गए अपने अंतरिम आदेश को स्पष्ट करते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच खसरा नंबर-596 पर नमाज़ अदा करने की अनुमति होगी। अदालत के अनुसार यह भूमि विवादित भोजशाला परिसर से सटी हुई दरगाह की जमीन है और वहां तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता भी उपलब्ध है।सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह इस स्थान पर नमाज़ के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। अदालत ने कहा कि यदि किसी कारणवश यह जगह उपयुक्त नहीं पाई जाती, तो राज्य सरकार और

मुस्लिम पक्ष आपसी सहमति से विवादित परिसर के पास ही कोई दूसरा वैकल्पिक स्थान तय कर सकते हैं।यह आदेश मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर उस अर्जी पर आया, जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार ने नमाज़ के लिए जो वैकल्पिक स्थान निर्धारित किया है, वह भोजशाला परिसर से लगभग एक किलोमीटर दूर है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि यह सुप्रीम कोर्ट के पहले दिए गए निर्देशों की भावना के अनुरूप नहीं है, जिसमें विवादित स्थल के पास व्यवस्था करने की बात कही गई थी। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी ने अदालत को बताया कि सरकार द्वारा चिन्हित स्थान अपेक्षा से काफी दूर है। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भरोसा दिलाया कि मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए मामले की समीक्षा की जाएगी और अदालत के निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।गौरतलब है कि भोजशाला-कमल मौला परिसर लंबे समय से धार्मिक और कानूनी विवाद का केंद्र रहा है। इसी महीने सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि वर्तमान व्यवस्था केवल अंतरिम है और अंतिम फैसला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस निर्णय को चुनौती देने वाली लंबित अपीलों पर सुनवाई के बाद ही होगा।

प्रदर्शनकारियों पर नहीं होगी कार्रवाई; जंतर-मंतर बंद होने की अफवाह भी खारिज

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई नई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, जिन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है या जिन पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं, उन्हें इस राहत का लाभ नहीं मिलेगा। सरकार ने कहा कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है।दिल्ली सरकार के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यदि प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है या गिरफ्तार किया गया है, तो उसकी समीक्षा के बाद जल्द रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध प्रदर्शन में शामिल सामान्य प्रतिभागियों के खिलाफ आगे कोई कानूनी कार्रवाई करने का इरादा नहीं है और मामले को बिना अतिरिक्त कार्रवाई के बंद माना जाएगा। यह आदेश दिल्ली के उप-राज्यपाल की मंजूरी के बाद जारी किया गया है।सरकारी आदेश के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने CJP के प्रदर्शन से जुड़े कुल 13 मामले दर्ज किए हैं। इनमें केवल उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी जिनकी आपराधिक पृष्ठभूमि है या जिन पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा अन्य गंभीर अपराधों के आरोप हैं।इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैल रही उस खबर का भी खंडन किया, जिसमें दावा किया जा रहा था कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। पुलिस ने इसे पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुए कहा कि जंतर-मंतर अब भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के लिए अधिकृत स्थल बना हुआ है।

ऊर्जा सुरक्षा की समीक्षा

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी की हाई-लेवल बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संसद परिसर में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (CCS) की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पश्चिम एशिया के तेजी से बदलते हालात, भारत की ऊर्जा सुरक्षा और कच्चे तेल तथा ईंधन की आपूर्ति पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की विस्तृत समीक्षा की गई। सरकार के शीर्ष मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्रीय हालात और भारत की तैयारियों पर चर्चा की।बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा के अलावा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया।सूत्रों के अनुसार, बैठक में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार मार्गों और भारत की तेल आयात व्यवस्था पर पड़ने वाले असर का आकलन किया गया। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम और भारतीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर विभिन्न विकल्पों पर विचार किया गया।इसी बीच, ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार गहराता जा रहा है। दोनों देशों के बीच पहले से जारी विवादों के बीच युद्धविराम टूटने के बाद हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, इसके बाद अमेरिका और इज़राइल ने ईरान के कई ठिकानों पर हवाई हमले किए, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले किए। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। उधर, संसद के मानसून सत्र में भी अहम विधायी गतिविधियां जारी रहीं।

हॉर्मुज पर ईरान का सख्त संदेश, अमेरिका को खुली चेतावनी; तेल टैंकर घटना से बढ़ा खाड़ी में तनाव

IRGC ने अपने बयान में दोहराया कि हॉर्मुज में ईरानी नौसेना पूरी तरह सक्रिय है और किसी भी बाहरी दबाव या चुनौती का जवाब देने के लिए तैयार है। साथ ही ईरान ने उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अमेरिका का समर्थन कर रहे हैं। तेहरान का कहना है कि यदि ऐसे देशों ने अपना रुख नहीं बदला तो उन्हें भी परिणाम भुगतने होंगे।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

लगभग पांच महीने पहले, 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव अब भी जारी है। इस दौरान कई बार दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए शांति वार्ता हुई, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। हाल के दिनों में अमेरिका ने ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयर स्ट्राइक की, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। इस सैन्य कार्रवाई में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के ठिकानों, एयर डिफेंस सिस्टम, सेना के कैंप और रडार प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इन हमलों को अपनी संप्रभुता पर सीधा हमला बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया देने की चेतावनी दी है।इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक हॉर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। IRGC का कहना है कि हॉर्मुज क्षेत्र पर ईरान का प्रभाव और नियंत्रण है तथा किसी भी बाहरी ताकत, विशेष रूप से अमेरिका, को यहां दखल देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। संगठन ने साफ शब्दों में कहा कि यदि किसी भी देश ने इस क्षेत्र में सैन्य या रणनीतिक हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो उसे इसका कड़ा और मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।ईरान के सरकारी मीडिया आईआरआईबी के मुताबिक, हाल ही में दो तेल टैंकर अमेरिका के कथित उकसावे में आकर हॉर्मुज के दक्षिणी हिस्से से गुजरने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान एक टैंकर में अचानक भीषण आग लग गई, जिसके बाद दोनों जहाजों को अपना रास्ता बदलकर वापस लौटना पड़ा। हालांकि, ईरानी मीडिया ने यह नहीं बताया कि आग लगने की वजह क्या थी। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि आग किसी तकनीकी खराबी के कारण लगी या फिर किसी हमले का परिणाम थी। इस घटना को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठ रहे हैं।IRGC ने अपने बयान में दोहराया कि हॉर्मुज में ईरानी नौसेना पूरी तरह सक्रिय है और किसी भी बाहरी दबाव या चुनौती का जवाब देने के लिए तैयार है। साथ ही ईरान ने उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अमेरिका का समर्थन कर रहे हैं। तेहरान का कहना है कि यदि ऐसे देशों ने अपना रुख नहीं बदला तो उन्हें भी परिणाम भुगतने होंगे।दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने ईरान के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। सेंटकॉम का कहना है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग है, जहां से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किसी एक देश का नियंत्रण नहीं हो सकता। अमेरिका ने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में IRGC लगातार व्यापारिक जहाजों और उनके चालक दल को डराने-धमकाने तथा उनकी आवाजाही में बाधा डालने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में हॉर्मुज को लेकर दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने खाड़ी क्षेत्र में तनाव को और गहरा कर दिया है।

उत्तरी दियाला प्रांत में रात भर हुई बमबारी में IRGC के चार सदस्य मारे गए

ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, अमेरिका और सऊदी अरब के एक संयुक्त सैन्य ऑपरेशन में इराक में कई जगहों को निशाना बनाया गया, जिसमें ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के कम से कम चार सदस्यों की मौत हो गई। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी ने बताया कि उत्तरी दियाला प्रांत में रात भर हुई बमबारी में IRGC के चार सदस्य मारे गए, जिनकी पहचान अली असगर अस्तानेह, अबोलफज़ल मोताकी, मोर्तेज़ा अकबरी और अमीर अब्बास दरहमफ़ोरौश के तौर पर हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ये चारों लोग मध्य ईरान के काशान शहर के रहने वाले थे, हालांकि उनके ऑपरेशनल रोल के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी गई। अल जज़ीरा ने ईरानी सूत्रों का हवाला देते हुए अलग से पुष्टि की कि इस संयुक्त कार्रवाई में IRGC से जुड़े चार लोगों की मौत हुई। वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक अज्ञात अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि तकनीकी विशेषज्ञों और IRGC कर्मियों सहित लगभग 20 ईरानी सलाहकार मारे गए। अधिकारी ने कहा कि इन सलाहकारों की मौजूदगी के कारण ही जानबूझकर उन जगहों को निशाना बनाया गया, ताकि तेहरान-समर्थित मिलिशिया की मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहन (UAV) तैनात करने की क्षमता को खत्म किया जा सके। इराक में पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फोर्सेज़ (PMF) ने घोषणा की कि बगदाद, दियाला, किरकुक और बसरा सहित सात प्रांतों में उसके कम से कम 20 कर्मी मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा कि संयुक्त अभियान में पूर्वी इराक भर में "लॉजिस्टिक्स और हथियारों के ठिकानों" को निशाना बनाया गया। CENTCOM ने बताया कि यह कार्रवाई 72 घंटों के दौरान हुए 30 से अधिक ड्रोन हमलों के बाद की गई; उनका आरोप था कि ये हमले IRGC द्वारा अमेरिकी सैनिकों और सऊदी ऊर्जा सुविधाओं के खिलाफ किए गए थे।

रिश्वत के मामले में गिरफ़्तार सुभाष चंद की दूसरी ज़मानत अर्ज़ी खारिज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने रिश्वत के मामले में गिरफ़्तार सुभाष चंद की दूसरी ज़मानत अर्ज़ी खारिज कर दी है। गिरफ़्तारी के समय वे द्वारका में दिल्ली पुलिस के नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज के तौर पर तैनात थे। चंद को एक व्यक्ति से नारकोटिक्स मामले में न फंसाने के बदले रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया था। आरोपी ने इस आधार पर रेगुलर ज़मानत मांगी थी कि चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और जांच के लिए उनकी ज़रूरत नहीं है। स्पेशल जज (CBI) विजेता सिंह रावत ने बुधवार को आरोपी और CBI के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद चंद की दूसरी ज़मानत अर्ज़ी खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस बात पर बहुत ज़ोर दिया गया है कि चार्जशीट अब दाखिल हो चुकी है और जांच की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए कस्टडी में रखने की ज़रूरत अब खत्म हो गई है। हालांकि, सिर्फ़ चार्जशीट दाखिल करने से ही आरोपी को अपने-आप फ़ायदा नहीं मिल जाएगा। कोर्ट ने 29 जुलाई को दिए आदेश में कहा, "अभी भी यह देखना ज़रूरी है कि क्या गवाहों को प्रभावित किए जाने की कोई संभावना है। कोर्ट ने बताया जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि द्वारका के नारकोटिक्स सेल की उस अवधि की CCTV रिकॉर्डिंग नहीं मिल सकी। कोर्ट ने यह भी बताया कि आरोपी जिस फ़ोन का इस्तेमाल कर रहा था, वह भी बरामद नहीं हो सका। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के तौर पर, चाहे वह सस्पेंड हो या न हो, आरोपी समाज में एक प्रभावशाली पद रखता है। इसलिए, यह आशंका कि वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है, जिनमें से कुछ उसके सहकर्मी/अधीनस्थ भी हैं, निराधार है। अतः, आरोपी को हिरासत में रखने के लिए पर्याप्त कारण हैं और इसे दंडात्मक नहीं कहा जा सकता। उपरोक्त चर्चाओं के मद्देनजर, आरोपी की दूसरी जमानत याचिका खारिज की जाती है, न्यायालय ने आदेश दिया। जमानत याचिका पर बहस के दौरान, आरोपी के वकील ने तर्क दिया कि वह निर्दोष है और उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है, जो अनुमान और अटकलों पर आधारित है, और केवल इस आरोप पर आधारित है कि आरोपी द्वारका स्थित एंटी-नारकोटिक्स सेल का प्रभारी था, जहां सह-आरोपी उसके पर्यवेक्षण में थे।

प्रधानमंत्री शेख हसीना वापस लौटती हैं तो उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह इस साल के अंत तक स्वदेश लौट सकती हैं। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीति में शेख हसीना की वापसी की चर्चा हो रही है। इस बीच बांग्लादेश के कानून मंत्री एमडी असदुज्जमान ने कहा है कि अगर शेख हसीना वापस लौटती हैं, तो देश का कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि शेख हसीना बागंग्लादेश लौटती हैं और सरेंडर करना चाहती हैं, तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा करने का मौका मिलने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाए। बांग्लादेशी कानून मंत्री ने यह बात गुरुवार को सचिवालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। बांग्लादेश के कानून मंत्री ने कहा, "सबसे पहले, आपको कैसे पता कि विदेश मंत्रालय उनके (शेख हसीना के) प्रत्यर्पण की कोशिश कर रहा है या नहीं? बेशक, वह कोशिश कर रहा है, मैं आपको यह बता सकता हूं। दूसरी बात, अगर कोई व्यक्ति मौत की सजा का दोषी भी हो, और वह बांग्लादेश का नागरिक हो और देश के कानूनों का सम्मान करते हुए बांग्लादेश आकर सरेंडर करना चाहता हो, तो हो सकता है कि उसे सरेंडर करने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाए। लेकिन उन्हें यह अधिकार है। अगर वह सच में आती हैं, तो कानून अपना काम करेगा। हम कानून के दायरे से बाहर कुछ नहीं करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे जो कानून ने हमें दिया है।"एक पत्रकार ने पूछा कि शेख हसीना कैसे लौटेंगी क्योंकि उनके पास पासपोर्ट नहीं है। जवाब में कानून मंत्री ने कहा, "वह कैसे आएंगी, यह उनकी समस्या है। यह मेरी समस्या नहीं है। जब वह हमारे इलाके में दाखिल होंगी, एक बार जब वह उस अधिकार क्षेत्र में आ जाएंगी, तो मैं कानून द्वारा मुझे दिए गए अधिकार के अनुसार कानून लागू करूंगा।"कानून मंत्री से राष्ट्रपति चुनाव के बारे में भी पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, "इस पर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। मैंने पहले ही संविधान की व्याख्या बता दी है।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों में घातक मिसाइलों से किया हमला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रूस ने एक बार फिर से यूक्रेन को दहला कर रख दिया है। गुरुवार को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों में घातक मिसाइलों से हमला किया। बता दें कि इस हमले से कुछ ही समय पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने चेतावनी दी थी कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। CNN ने कीव के सैन्य प्रशासन के हवाले से बताया है कि, रूस के इस हमले में कीव में एक शख्स की मौत हो चुकी है।यूक्रेन के डिनप्रो और क्रिवी रिह भी रूस के हमले की चपेट में आए हैं। वहीं, यूक्रेन की वायु सेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के बारे में जानकारी दी है। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया है कि रूस की ओर से विमानों से क्रूज मिसाइलों की कई लहरें दागी गई हैं। हमलों की शुरुआती लहर के बाद, यूक्रेन की वायु सेना ने चेतावनी दी कि और बैलिस्टिक मिसाइलें कीव की ओर बढ़ रही हैं। कीव के मेयर ने कहा है कि और हमलों का खतरा बना हुआ है और लोगों से शेल्टर में रहने की अपील की गई है। बता दें कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में जारी सैन्य अभियान को सही ठहराते हुए कहा है कि रूस अपने सभी लक्ष्य हासिल करेगा।रूस के हमले से पहले किए गए एक ट्वीट में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था- एयर फोर्स के कमांडर अनातोली क्रिवोनोज़्को ने मुझे एक रिपोर्ट दी है। रूस ने कुछ दिनों पहले ही एक बड़े हमले की तैयारी की थी। इस बात की बहुत ज्यादा संभावना है कि आज रात यह हमला किया जाएगा। यह जरूरी है कि हमारे सहयोगी पूरी तरह समझें कि क्या हो रहा है और लोगों की जान बचाना सीधे तौर पर इस बात पर निर्भर करता है कि वे एयर डिफेंस मिसाइलों के साथ हमारी मदद करने के लिए कितने तैयार हैं या नहीं। सबसे पहले, यह बात अमेरिका और उन सहयोगियों पर लागू होती है जिनके पास पैट्रियट मिसाइलें हैं और जो हमारी सुरक्षा के लिए उन्हें दे सकते हैं। हर सहयोगी जानता है कि किस चीज की जरूरत है और वे देरी करने के नतीजों को भी अच्छी तरह समझते हैं। कृपया, यूक्रेन के सभी इलाकों में आज एयर रेड अलर्ट पर ध्यान दें और सुरक्षित रहें।"

संपादक की कलम से

अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता सैन्य तनाव अब केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता के लिए चुनौती बनता जा रहा है। पांच महीने से जारी इस संघर्ष ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि पश्चिम एशिया में शांति जितनी जरूरी है, उतनी ही नाजुक भी है। हालिया अमेरिकी एयर स्ट्राइक और उसके बाद हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की कड़ी चेतावनी ने हालात को और अधिक संवेदनशील बना दिया है।हॉर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरती है। ऐसे में यदि यहां किसी भी तरह का सैन्य तनाव बढ़ता है या जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है, तो उसका असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक महंगाई, सप्लाई चेन में बाधा और कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव जैसे परिणाम सामने आ सकते हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय है।ईरान का यह कहना कि हॉर्मुज पर उसका नियंत्रण है और किसी बाहरी ताकत को हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी, वहीं अमेरिका का इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बताते हुए ईरानी दावों को खारिज करना, दोनों पक्षों के बीच टकराव की गंभीरता को दर्शाता है। यदि बयानबाजी के साथ सैन्य गतिविधियां भी तेज होती हैं, तो किसी छोटी घटना के बड़े संघर्ष में बदलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।हालांकि, हर सैन्य कार्रवाई का जवाब सैन्य कार्रवाई से देना किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इतिहास गवाह है कि युद्ध अंततः दोनों पक्षों को आर्थिक, राजनीतिक और मानवीय नुकसान ही पहुंचाता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता संयम, कूटनीति और संवाद की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र और प्रभावशाली वैश्विक शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।दुनिया पहले ही कई भू-राजनीतिक संकटों, आर्थिक चुनौतियों और ऊर्जा अस्थिरता का सामना कर रही है। ऐसे में पश्चिम एशिया में नया संकट वैश्विक व्यवस्था को और कमजोर कर सकता है। इसलिए अमेरिका और ईरान दोनों को यह समझना होगा कि शक्ति प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति है। यदि संवाद की संभावनाएं समाप्त होती हैं, तो इसका खामियाजा केवल दोनों देशों को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है।

प्रियंका गांधी और कल्याण बनर्जी की दिलचस्प बातचीत ममता बनर्जी के कांग्रेस छोड़ने का जिक्र फिर छिड़ा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

संसद के मानसून सत्र के दौरान संसद परिसर में प्रियंका गांधी और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति और ममता बनर्जी के कांग्रेस छोड़ने को लेकर दिलचस्प बातचीत हुई। बातचीत में 1997 में ममता बनर्जी के कांग्रेस से अलग होने और टीएमसी के गठन का मुद्दा उठा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी गठबंधन की अंदरूनी राजनीति को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

संसद के मानसून सत्र में हंगामे का दौर जारी है। सदन से सड़क तक विपक्ष अलग-अलग मुद्दों को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार को घेर रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को भी संसद की कार्यवाही बाधित रही। इस दौरान बेहद खास पल सामने आया जब प्रियंका गांधी कांग्रेस सांसदों के साथ संसद परिसर में खड़ी बातें कर रही थीं। इसी दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी वहां पहुंच गए। उन्होंने गले में टीएमसी छोड़ने वाले सांसदों का बैनर लटका रखा था। इसे देखकर प्रियंका गांधी ने उनसे ऐसी बात कही, जिसका कल्याण बनर्जी बेहद करारे अंदाज में जवाब दिया। उनके इस कमेंट से बीजेपी जरूर खुश होगी। पूरा मामला गुरुवार का है जब प्रियंका गांधी ने कल्याण बनर्जी के गले में टंगे बैनर पर अपनी बात कही। इस बैनर में लिखा है- लोकसभा में बंगाल के 20 गद्दार। इसी पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि आपने बैनर में जिनके नाम लिख रखे हैं, उनमें से कुछ लोग पहले हमारे यहां से आपके यहां गए, फिर आपके यहां से भी चले गए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने हंसते हुए ये बात कही। इस दौरान पप्पू यादव समेत पार्टी के दूसरे नेता भी वहां मौजूद थे। प्रियंका गांधी के कमेंट पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि आपके यहां से ये लोग 2014 में चले गए थे। पश्चिम बंगाल में आप लोगों के लिए कुछ भी नहीं है। इनमें कई सांसद टीएमसी के ही टिकट पर जीते हैं। कभी भी वो लोग आपके टिकट पर संसद में नहीं आए। कल्याण बनर्जी के ये कहते ही पप्पू यादव ने कहा कि थे तो कांग्रेसी ही ना। इस पर कल्याण बनर्जी ने जो कहा वो बेहद अहम रहा। कल्याण बनर्जी ने कहा कि कांग्रेसी तो हम लोग भी थे। कांग्रेस में तो हम लोग भी थे। मैं उपाध्यक्ष पद पर रहा। टीएमसी सांसद ने आगे कहा कि आप लोगों ने तो दीदी ममता बनर्जी को तो भगा दिया था। अगर दीदी को नहीं भगाते तो कांग्रेस का ऐसा हाल बंगाल में होता। ममता दीदी को 1997 में कांग्रेस से भगा दिया। इस पर प्रियंका गांधी ने रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि दीदी को राजीव गांधी बहुत मानते थे। इस पर कल्याण बनर्जी ने कहा कि मुझे पता है। राजीव गांधी ममता बनर्जी को बहुत प्यार करते थे। उन्होंने दीदी को बहुत सम्मान दिया था। उन्होंने आगे कहा कि बाद में कांग्रेस सीपीएफ के साथ एक हो गया। हमारी लड़ाई सीपीएम के साथ थी। इसी के बाद हालात बदल गए। सीपीएम की वजह से कांग्रेस ने ममता बनर्जी को जाने दिया। इस पर पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस आज साथ है ना तो कल्याण बनर्जी ने हामी भरी। उन्होंने कहा कि हां कांग्रेस साथ है। हालांकि, तब तक प्रियंका गांधी उस जगह से आगे बढ़ गईं। प्रियंका गांधी और कल्याण बनर्जी की इस पूरी बातचीत का वीडियो सामने आया है। जिसमें हुई चर्चा के बाद बीजेपी में जरूर एक खुशी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि टीएमसी और कांग्रेस भले साथ हों लेकिन अब भी कल्याण बनर्जी के बयान से लग रहा कि ममता दीदी के मन में एक टीस है जो उन्हें कांग्रेस से अलग राह पर जाना पड़ा।

राज्यसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर विपक्ष का हमला, खरगे ने अमित शाह को घेरा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा में एंटी पेपर बिल पास होने के बाद गुरुवार को राज्य सभा में पेश किया गया। केंद्रयी मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह बिल उच्च सदन में पेश किया है। इस बिल पर चर्चा की शुरुआत राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज कराने के लिए, आंसू गैस के गोले छोड़ने के लिए और पेलेट गन का इस्तेमाल करने का आदेश किसने दिया। छात्रों पर पेलेट गन क्यों चलाई गई? उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं सरकार से पूछना चाहता हूं, आप अमित शाह की हिफाजत करना चाहते हैं, लेकिन बहुत दिन तक नहीं कर सकते हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रोटेस्ट के दौरान सादे कपड़े में छात्रों को पीटने वाले लोग कौन थे? इनके सूत्रधार कौन थे? अगर इन सवालों का गृह मंत्री जवाब नहीं दे सकते तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी को उनको पूछना चाहिए। राज्य सभा में बोलते हुए कांग्रेस सांसद खरगे ने कहा कि पेपर लीक की वजह से न जाने कितने निर्दोष लोगों को नुकसान हुआ, कितने लोगों पर लाठियां बरसीं, कितने माता-पिता परेशान हैं और कितनी महिलाएं व बच्चे मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। चर्चा के लिए जो पब्लिक एग्जामिनेशन (संशोधन) विधेयक, 2026 लाया गया है, उसमें आपने सिर्फ आंकड़े और प्रावधान बदल दिए हैं। इससे कुछ नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि इस बिल में आपने अधिक जुर्माना, कड़ी सजा, विशेष टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी व्यवस्थाएं जोड़ दी हैं, लेकिन इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। असली फर्क इस बात से पड़ेगा कि आप परीक्षाएं कैसे कराते हैं और बिना पेपर लीक के उनकी तैयारी और संचालन कैसे सुनिश्चित करते हैं। सदन में बोलते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इतना सख्त कानून लाने की मांग हमने 2024 में ही की थी, लेकिन उस समय आपने हमारी बात नहीं मानी। आपने अपने भाषण में भी कहा कि उस समय आप लोग इससे सहमत नहीं थे। इसके बावजूद हम लगातार आपसे इस मजबूत कानून को लागू करने की मांग करते रहे, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। जो काम आप दो साल बाद कर रहे हैं, वह 2024 में ही क्यों नहीं किया?

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने

बीजेपी और बिहार पुलिस पर तीखा हमला बोला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बांकीपुर विधानसभा चुनाव में बीजेपी हार की ओर बढ़ रही है। हार के डर से वह बार-बार पुलिस का सहारा ले रही है। हालांकि, पुलिस भी उसकी मदद नहीं कर पाएगी। मेरा पुलिसकर्मियों से सिर्फ इतना आग्रह है कि आप आम लोगों की सुरक्षा के लिए हैं। उनकी रक्षा करें, उनके साथ मारपीट न करें। पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने ये बातें कही। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव में हार सामने देखकर बीजेपी के लोग मैदान छोड़कर भाग गए हैं। उन्होंने बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी अभिषेक बंटी का बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि जो व्यक्ति चुनाव मैदान छोड़कर भाग गया, वही आज सबसे ज्यादा गुंडागर्दी कर रहा है। प्रशांत किशोर ने बुधवार को अपने लोगों के गायब होने पर पुलिस वालों से भिड़ गए थे। इसपर थानेदार ने प्रशांत किशोर से कहा था कि ज्यादा क्या होगा वर्दी उतार कर छोड़ देंगे।प्रशांत किशोर गुरुवार सुबह से ही चुनावी मैदान में सक्रिय हैं। वे लगातार विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। इस दौरान उन्होंने उन कार्यकर्ताओं के परिजनों से भी मुलाकात की, जिन्हें पुलिस ने बुधवार (29 जुलाई) को गिरफ्तार किया था। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाते हुए कहा, "आप परेशान न हों। मैं पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हूं और लगातार पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हूं।" पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने दावा किया कि जन सुराज बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव जीत रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर उनके समर्थकों और मतदाताओं को वोट डालने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा, "बुधवार को पुलिस ने हमारे कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पुलिस किसी को बचा नहीं सकती। मेरा पुलिसकर्मियों से सिर्फ इतना कहना है कि वे आम लोगों की सुरक्षा करें, उनके लिए नई समस्याएं पैदा न करें। निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करें और जनता को डराने का काम न करें।" प्रशांत किशोर ने आगे कहा, "पुलिस नेतागिरी न करे। अगर राजनीति करनी है तो वर्दी छोड़कर राजनीति में आ जाएं। जब तक वर्दी पहने हुए हैं, तब तक निष्पक्ष होकर अपना कर्तव्य निभाएं।" बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मतदान से ठीक पहले बुधवार देर रात जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पटना के जक्कनपुर थाना पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि यदि उनके किसी कार्यकर्ता ने कोई गलत काम किया है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनके कार्यकर्ताओं के साथ कोई गलत कार्रवाई हुई तो यह ठीक नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में प्रशांत किशोर थाना प्रभारी (एसएचओ) से कहते नजर आ रहे हैं, "अगर आपके थाने से दो लोग गायब हो जाएं, तो सवाल आपसे ही पूछा जाएगा।"

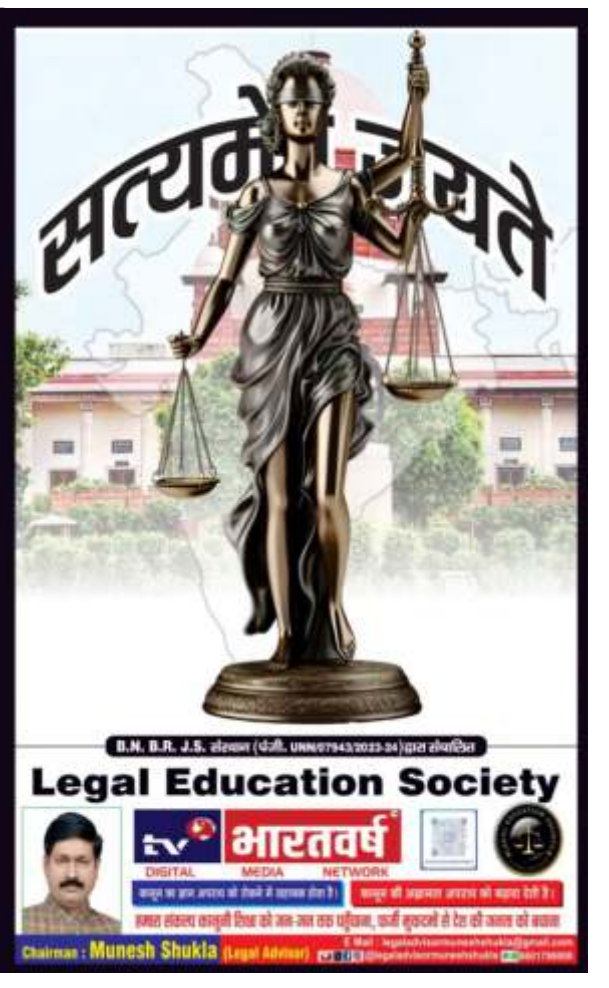

12वीं के बाद एग्रीकल्चर में करियर के बढ़े अवसर आधुनिक तकनीक ने खोले रोजगार और रिसर्च के नए रास्ते

भारत को लंबे समय से कृषि प्रधान देश के रूप में जाना जाता है, लेकिन अब कृषि केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), ड्रोन, प्रिसीजन फार्मिंग, जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण और एग्री-बिजनेस के तेजी से बढ़ते विस्तार ने इस क्षेत्र को रोजगार और उद्यमिता का बड़ा केंद्र बना दिया है। ऐसे में 12वीं के बाद करियर की योजना बना रहे छात्रों के लिए कृषि शिक्षा एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभर रही है। इसमें सरकारी नौकरी, निजी क्षेत्र, अनुसंधान, शिक्षण और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने जैसे अनेक अवसर मौजूद हैं।यदि किसी छात्र ने 12वीं कक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री और एग्रीकल्चर जैसे विषयों के साथ पूरी की है और वह भविष्य में स्थिर एवं संभावनाओं से भरपूर करियर चाहता है, तो कृषि क्षेत्र उसके लिए उपयुक्त साबित हो सकता है। शारदा यूनिवर्सिटी के कृषि विशेषज्ञ और 42 वर्षों के अनुभवी प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र सिंह सिवाच का कहना है कि आज कृषि शिक्षा का उद्देश्य केवल खेती करना सिखाना नहीं, बल्कि छात्रों को आधुनिक कृषि तकनीकों का विशेषज्ञ बनाना है। इसमें फसल उत्पादन, मृदा एवं जल प्रबंधन, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विपणन, जैव प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ खेती जैसे विषयों का गहन अध्ययन कराया जाता है।डॉ. सिवाच के अनुसार, कृषि शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों के सामने रोजगार के कई रास्ते खुलते हैं। वे सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी कर सकते हैं, कृषि वैज्ञानिक या शोधकर्ता बन सकते हैं, बैंकिंग एवं ग्रामीण विकास क्षेत्र में करियर बना सकते हैं, कृषि अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी और कृषि प्रसार सेवाओं जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा एग्री-स्टार्टअप शुरू करने और कृषि आधारित उद्यम स्थापित करने की भी व्यापक संभावनाएं हैं। जो छात्र उच्च शिक्षा में रुचि रखते हैं, उनके लिए विदेशों में अनुसंधान और विशेषज्ञता हासिल करने के अवसर भी उपलब्ध हैं।।12वीं के बाद कृषि क्षेत्र में कई प्रमुख कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्ट्री और फिशरीज जैसे विकल्प शामिल हैं। हालांकि, यदि रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की संभावनाओं को ध्यान में रखा जाए, तो बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर सबसे व्यापक और लोकप्रिय कोर्स माना जाता है। यह कोर्स लगभग सभी प्रमुख कृषि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयुक्त है और सरकारी विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों, ICAR, अनुसंधान संस्थानों, बैंकिंग, बीमा, एग्री-बिजनेस कंपनियों और एग्री-टेक स्टार्टअप्स में रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करता है।विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में कृषि क्षेत्र में तकनीक का उपयोग और बढ़ेगा, जिससे प्रशिक्षित कृषि विशेषज्ञों की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में यदि छात्र समय रहते सही कोर्स का चयन करते हैं और आधुनिक कृषि तकनीकों में दक्षता हासिल करते हैं, तो वे न केवल एक सफल करियर बना सकते हैं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा, कृषि विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

7 साल तक देश में रहने वालों को ग्रीन कार्ड मिल सकती है, ऐसा कानून लाने की कोशिशों को फिर से तेज

अमेरिका में एक ऐसे बिल को पास कराने की मांग हो रही है, जिसके जरिए 7 साल तक देश में रहने वालों को ग्रीन कार्ड मिल सकती है। अमेरिकी सांसद एलेक्स पाडिला ने एक ऐसा कानून लाने की अपनी कोशिशों को फिर से तेज कर दिया है, जो 80 लाख से ज्यादा लंबे समय से रह रहे प्रवासियों के लिए कानूनी रूप से परमानेंट रेजिडेंसी हासिल करना आसान हो जाएगा। इसमें लाखों भारतीय भी शामिल हैं, जो लंबे वक्त से अमेरिका में हैं। अमेरिकी सांसद एलेक्स पाडिला ने तर्क दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार इमिग्रेशन से जुड़े बदलावों को तेज कर रही है। इसे देखते हुए अमेरिकी कांग्रेस को इमिग्रेशन कानूनों को आधुनिक बनाना चाहिए। अमेरिका में आप्रवासियों के लिए परमानेंट रेजिडेंसी हासिल करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। H-1B वीजा पर काम करने गए भारतीयों के लिए भी ग्रीन कार्ड का वेटिंग टाइम काफी ज्यादा है, जो चिंता की बात है।एलेक्स पाडिला सीनेट ज्यूडीशियरी इमिग्रेशन सबकमिटेड के रैंकिंग मेंबर हैं। उन्होंने सांसदों ने 'रिन्यूइंग इमिग्रेशन प्रोविजंस ऑफ द इमिग्रेशन एक्ट ऑफ 1929' को पारित करने की गुजारिश की है। ये एक ऐसा बिल है, जो पहली बार पिछले साल पेश हुआ था। इसमें कहा गया था कि अमेरिकी इमिग्रेशन कानून लंबे समय से चले आ रहे रजिस्ट्री प्रावधान को अपडेट किया जाए।इसके जरिए कम से कम 7 साल से लगातार अमेरिका में रहने वाले विदेशी वर्कर्स को वैलिड परमानेंट रेजिडेंसी हासिल करने का मौका मिल जाएगा, बशर्ते उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड न हो और वे अन्य मौजूदा ग्रीन कार्ड शर्तों को पूरा करते हों। अमेरिकी सांसद पाडिला ने कहा, 'एक साल पहले, मैंने मेहनती प्रवासियों के साथ ट्रंप सरकार के क्रूर व्यवहार का विरोध करने के लिए यह बिल पेश किया था। तब से, राष्ट्रपति ट्रंप का डर का अभियान और बढ़ गया है, परिवार इस देश में अपना जीवन बनाने के बावजूद लगातार अनिश्चितता के साए में जी रहे हैं।'

जैस्मीन लांबोरिया ने भारत को बॉक्सिंग में दिलाया 10वां मेडल

नीरज चोपड़ा ने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए जैवलिन थ्रो से शानदार खबर आई है। लंबे समय बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी कर रहे स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने मेन्स जैवलिन थ्रो के फाइनल में जगह बना ली है। खास बात यह रही कि नीरज अकेले नहीं, बल्कि भारत के तीनों जैवलिन थ्रोअर क्वालिफिकेशन की चुनौती पार करने में सफल रहे। रोहित यादव और यश वीर सिंह ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। वहीं पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम भी अगले दौर में पहुंच गए हैं। खास बात ये रही कि नीरज क्वालिफिकेशन राउंड में अरशद नदीम से ज्यादा दूर भाला फेंकने में सफल रहे।ग्लासगो में खेले गए क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज चोपड़ा ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 79.61 मीटर दूर भाला फेंका। वह 84.00 मीटर के ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क तक तो नहीं पहुंच सके, लेकिन दोनों क्वालिफिकेशन ग्रुप के कुल प्रदर्शन के आधार पर वह पांचवें स्थान पर रहते हुए 12 खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। इस मुकाबले में मौसम खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती बना। ग्लासगो की ठंडी और बादलों से घिरी परिस्थितियों के कारण कोई भी एथलीट 84 मीटर के ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को नहीं छू सका। ऐसे में फाइनलिस्ट का फैसला दोनों ग्रुप के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर किया गया।भारत के लिए सबसे बड़ी खुशी यह रही कि उसके तीनों खिलाड़ी फाइनल में पहुंच गए। रोहित यादव ने 78.37 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर नौवें स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई किया, जबकि यश वीर सिंह ने 78.36 मीटर के प्रयास के साथ 10वां स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। इससे अब भारत के पास पदक जीतने के तीन मजबूत दावेदार होंगे। क्वालिफिकेशन राउंड में श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिराजे सबसे आगे रहे। उन्होंने 82.84 मीट का थ्रो कर पहला स्थान

अजिंक्य रहाणे और नेमार जूनियर ने इंटरनेशनल करियर को कहा अलविदा

खिलाड़ी भले ही अलग-अलग खेलों के हों लेकिन जब दिग्गज मैदान को अलविदा कहते हैं तो खेल जगत में एक सन्नाटा छा जाता है। कुछ ऐसा ही भावुक पल तब आया जब भारतीय क्रिकेट के दिग्गज अजिंक्य रहाणे और फुटबॉल के जादूगर नेमार जूनियर ने इंटरनेशनल मंच से अपने संन्यास का ऐलान कर दिया। अलग-अलग खेलों से ताल्लुक रखने वाले इन दोनों दिग्गजों का अलविदा कहना उनके फैंस के लिए एक एक युग के अंत जैसा है।क्रिकेट की बात करें तो डोंबिवली की तंग गलियों से निकलकर भारतीय टीम की कमान संभालने वाले अजिंक्य रहाणे ने हमेशा अपने शांत स्वभाव से फैंस का दिल जीता। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो साझा करते हुए कहा कि हर शुरुआत का एक अंत होता है और यही सही वक्त है जब वे भारतीय जर्सी को सम्मानपूर्वक अलविदा कहें।दूसरी ओर, फुटबॉल की दुनिया में सांभा मैजिक बिखेरने वाले ब्राजील के पोस्टर बॉय नेमार जूनियर ने भी अपनी पीली जर्सी को हमेशा के लिए छोड़ने का मन बना लिया। वर्ल्ड कप 2026 में नॉर्वे के खिलाफ मिली हार के बाद से ही उनके भविष्य को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। आखिरकार सैंटोस क्लब के एक मैच के बाद 34 वर्षीय नेमार ने यह साफ कर दिया कि ब्राजीलियाई टीम के साथ उनका सफर अब खत्म हो चुका है। परिवार और पिता के आग्रह के बावजूद उन्होंने अपने दिल की सुनी और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से अपनी विदाई की आधिकारिक मुहर लगा दी।आंकड़ों से देखें तो दोनों ही अपने-अपने खेल के हीरो रहे हैं। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया जिसमें टेस्ट में 12 शतकों की मदद से 5000 से अधिक रन उनके नाम दर्ज हैं। वहीं नेमार ब्राजील के लिए 130 मैचों में 80 गोल दागकर अपने देश के सबसे सफल स्कोरर रहे। नेमार ने 2013 कॉन्फेडेरेशन कप और 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडल से अपनी झोली भरी। हालांकि वे अपने देश के लिए वर्ल्ड कप नहीं जीत पाए।

जो रूट बने इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने गुरुवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए टीम के नए कोच और कप्तान का ऐलान किया है। बोर्ड ने महान बल्लेबाज जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम का कप्तान बनाया है। जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग इंग्लैंड की टेस्ट टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए हैं। हाल ही में इंग्लैंड ने ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट कोच की भूमिका से हटा दिया था।फ्लेमिंग पाकिस्तान के खिलाफ आने वाली टेस्ट सीरीज के बाद अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। पाकिस्तान सीरीज के दौरान मार्कस ट्रेस्कोथिक टीम के अंतरिम हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। फ्लेमिंग इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे के दौरान हेड कोच की भूमिका संभालेंगे।फ्लेमिंग ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग नहीं की है, लेकिन लीग क्रिकेट में बतौर कोच उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है। आईपीएल में वह सीएसके को 5 खिताब जीतवा चुके हैं। उनकी कोचिंग में सीएसके ने 10 बार आईपीएल का फाइनल खेला। फ्लेमिंग दक्षिण अफ्रीका और यूएसए में भी सीएसके फ्रेंचाइजी से जुड़ी टीमों को कोचिंग दी है। इसके अलावा बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के भी कोच रह चुके हैं। आईपीएल 2026 की समाप्ति के कुछ समय बाद ही फ्लेमिंग से सीएसके और इस फ्रेंचाइजी से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियों से खुद को अलग कर लिया था।ईसीबी की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में फ्लेमिंग ने कहा, "मैं टेस्ट कोच के तौर पर इंग्लैंड से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे मशहूर कोचिंग पोजीशन में से एक है। मुझे इस पर नियुक्त होने पर गर्व है।" उन्होंने कहा, "टीम में और उसके आस-पास बहुत सारी युवा प्रतिभाएं हैं। हमारा मकसद उन्हें विश्व-स्तरीय क्रिकेटर के तौर पर अपनी क्षमता को प्रदर्शित करने पर मदद करना है।"फ्लेमिंग ने रूट के साथ काम करने पर भी अपनी खुशी जाहिर की। रूट को उन्होंने 'पीढ़ी का टैलेंट' बताया, साथ ही हैरी ब्रूक को भी टीम के लिए एक जरूरी हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, "मैं खास तौर पर जो रूट के साथ कप्तान के तौर पर काम करने का इंतजार कर रहा हूं—एक पीढ़ी का टैलेंट जिसने पहले ही बहुत कुछ हासिल कर लिया है। उनसे अभी भी बहुत कुछ आना बाकी है। मैं उन्हें सपोर्ट करने के लिए उत्साहित हूं ताकि वह इस रोल का आनंद ले सकें और उसमें आगे बढ़ सकें, जो उनके पहले कार्यकाल से अलग है।"

महिला को अदालत से बड़ी राहत मिली

'खराब परफॉर्मेंस' बताकर नौकरी से निकाला, देने पड़े 19 लाख रूपये

सिंगापुर में एक कंपनी को अपनी ही कर्मचारी को नौकरी से निकालना भारी पड़ गया. कंपनी ने महिला को 'खराब प्रदर्शन' का हवाला देकर प्रोबेशन के दौरान बाहर का रास्ता दिखा दिया, लेकिन जब मामला कोर्ट पहुंचा तो कंपनी अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सकी. इसके बाद एम्प्लॉयमेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (ECT) ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उसे 30,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 19 लाख रुपये) का मुआवजा देने का आदेश दिया.

CNA की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने अप्रैल 2025 में कंपनी जॉइन की थी. उसे छह महीने की प्रोबेशन अवधि पर रखा गया था. प्रोबेशन खत्म होने से ठीक पहले कंपनी ने उसे बताया कि उसकी सेवाओं की अब जरूरत नहीं है और इसकी वजह 'खराब परफॉर्मेंस' बताई गई.

हालांकि महिला ने इस फैसले को गलत बताया और मामला सिंगापुर के एम्प्लॉयमेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (ECT) में पहुंचाया. उसने दावा किया कि कंपनी ने उसके प्रदर्शन को लेकर न तो कभी मौखिक चेतावनी दी और न ही कोई लिखित नोटिस जारी किया.

डेनियल सियाड की मौत से उठे सवाल

फिर खुलने लगीं एप्सटीन नेटवर्क की परतें

जेफ्री एप्सटीन की मौत को कई साल बीत चुके हैं, लेकिन उससे जुड़े नाम आज भी दुनिया भर में सुर्खियां बनते हैं. अब फ्रांस से आई एक खबर ने फिर उसी रहस्यमयी नेटवर्क पर सवाल खड़े कर दिए हैं. मॉडल स्काउट डेनियल सियाड अपने घर में मृत मिला है. यह वही शख्स है, जिसका नाम अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) की एप्सटीन फाइलों में 2,000 से ज्यादा बार दर्ज बताया गया था. उसकी मौत ने एक बार फिर उस नेटवर्क की परतें खोल दी हैं, जिसके तार दुनिया के कई देशों तक फैले बताए जाते रहे हैं. फ्रांस के नांतेर अभियोजन कार्यालय के मुताबिक, डेनियल सियाड का शव पेरिस के बाहरी इलाके कोलॉम्ब में उसके घर से बरामद हुआ. अधिकारियों ने कहा है कि मौत के कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और जांच जारी है.

करीब तीन दशक तक मॉडल स्काउट के तौर पर काम करने वाला सियाड फैशन इंडस्ट्री में जाना-पहचाना नाम था. लेकिन उसकी पहचान तब बदल गई, जब उसका नाम अमेरिकी कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन से जुड़ने लगा.मॉडल स्काउट फैशन इंडस्ट्री का वह आदमी होता है, जिसका काम नए मॉडल्स की तलाश करना होता है। आसान भाषा में समझें तो यह मॉल, स्कूल, कॉलेज, कैफे, सोशल मीडिया या किसी इवेंट में ऐसे युवाओं को खोजता है, जिनमें मॉडल बनने की संभावना हो.इसके बाद उन्हें मॉडलिंग एजेंसी, फैशन ब्रांड, फोटोग्राफर या टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी से जोड़ता है.

3 करोड़ खर्च कर पूरे शरीर पर बनवाए टैटू

अगर कोई आपसे कहे कि उसने अपने पूरे शरीर पर टैटू बनवाने के लिए करीब 3 करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं, तो शायद यकीन करना मुश्किल हो. लेकिन कनाडा के एक शख्स ने ऐसा ही किया है. अब उसने सोशल मीडिया पर अपनी एक ऐसी तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह बिना टैटू के नजर आ रहा है. यह फोटो देखते ही लोग हैरान रह गए. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के रहने वाले टेमी स्कोफील्ड खुद को दुनिया का असली सबसे ज्यादा टैटू वाला इंसान बताते हैं.

शिवभक्त का वीडियो हो रहा वायरल

थर्माकोल पर 413 दिन से अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा में हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं. लेकिन इस बार उत्तर प्रदेश के एक शिवभक्त ने अपनी अनोखी यात्रा से हर किसी का ध्यान खींच लिया है.

अशरफ वानी, आजतक

अमरनाथ यात्रा से हर साल आस्था की कई तस्वीरें सामने आती हैं. इस बार एक शिवभक्त का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.उत्तर प्रदेश के रहने वाले सुनील पिछले 413 दिनों से अमरनाथ यात्रा पर हैं. उनकी यात्रा का तरीका लोगों को हैरान कर रहा है. सुनील न तो पैदल चल रहे हैं और न ही किसी वाहन का सहारा ले रहे हैं. वह थर्माकोल की एक शीट पर पेट के बल लेटकर खुद को धीरे-धीरे आगे बढ़ाते हुए अमरनाथ गुफा की ओर बढ़ रहे हैं. उनकी इस कठिन यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार को उनकी यात्रा का 413वां दिन था. जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरते हुए सुनील को थर्माकोल की शीट पर लेटे-लेटे आगे बढ़ते देखा गया. उनका सफर बेहद धीमा है, लेकिन आस्था और संकल्प में कोई कमी नहीं दिखती. हजारों श्रद्धालु जब अमरनाथ यात्रा के लिए इस मार्ग से गुजर रहे थे, तब कई लोग सुनील को देखकर रुक गए. कुछ ने उनका वीडियो बनाया, तो कई श्रद्धालुओं ने हाथ जोड़कर उनकी श्रद्धा को प्रणाम किया.

अमरनाथ यात्रा के दौरान जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर श्रद्धालुओं और वाहनों की भारी आवाजाही रहती है. ऐसे में सुरक्षा में तैनात जवान भी सुनील के साथ चलते नजर आए, ताकि उनकी यात्रा सुरक्षित तरीके से जारी रह सके.

आस्था का ऐसा रूप कम ही देखने को मिलता है

अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालु अपनी-अपनी श्रद्धा के अनुसार अलग-अलग तरीके से बाबा बर्फानी के दर्शन करने पहुंचते हैं. लेकिन सुनील की यात्रा इसलिए अलग है, क्योंकि वह पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से बेहद कठिन परिस्थितियों में लगातार आगे बढ़ रहे हैं.

उनकी यह तपस्या अब सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गई है. लोग उनकी सहनशक्ति, धैर्य और भगवान शिव के प्रति अटूट विश्वास की जमकर तारीफ कर रहे हैं. हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं अमरनाथ

अमरनाथ यात्रा हिंदू धर्म की सबसे पवित्र यात्राओं में से एक मानी जाती है.

स्टारडम की चमक या कहानी की ताकत, कौन जीतेगा दर्शकों का दिल?

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि इसे विजय के अभिनय करियर की अंतिम फिल्म बताया जा रहा है। राजनीति में सक्रिय होने के बाद यह उनकी विदाई फिल्म मानी जा रही है, इसलिए दर्शकों की भावनात्मक अपेक्षाएं भी इससे जुड़ी हुई थीं। रिलीज के पहले दिन सिनेमाघरों के बाहर उमड़ा प्रशंसकों का सैलाब इस बात का प्रमाण है कि विजय का स्टारडम आज भी करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करता है। लेकिन शुरुआती प्रतिक्रियाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या किसी फिल्म की सफलता केवल स्टार की लोकप्रियता से तय हो सकती है, या फिर मजबूत कहानी और प्रभावी प्रस्तुति भी उतनी ही जरूरी है?फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर दो बिल्कुल अलग तस्वीरें देखने को मिली हैं। एक ओर विजय के प्रशंसक उनकी स्क्रीन प्रेजेंस, एंट्री सीक्वेंस और अभिनय की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे उनके करियर की यादगार विदाई बताया है। वहीं दूसरी ओर कुछ दर्शकों ने फिल्म की कहानी, गानों और संवादों को कमजोर बताते हुए "क्रिंज" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। यह विभाजित प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि आज का दर्शक केवल बड़े सितारे के नाम पर फिल्म को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।पिछले कुछ वर्षों में भारतीय सिनेमा का दर्शक काफी बदल चुका है। अब वह सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म और वैश्विक कंटेंट के संपर्क में है। ऐसे में उसकी अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। यदि कहानी कमजोर हो या पटकथा में नवीनता न हो, तो बड़े से बड़ा सितारा भी आलोचना से नहीं बच पाता। दूसरी ओर, अच्छी कहानी वाली अपेक्षाकृत छोटे बजट की फिल्में भी दर्शकों का भरपूर समर्थन हासिल कर लेती हैं। यही बदलाव भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है।'जन नायकन' की चर्चा में एक और दिलचस्प पहलू बॉबी देओल की भूमिका रही। शुरुआती प्रतिक्रियाओं में उनके नकारात्मक किरदार की काफी सराहना की गई है। यह दर्शाता है कि आज दर्शक केवल नायक ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली सहायक पात्रों और मजबूत खलनायकों को भी उतना ही महत्व देते हैं। किसी भी फिल्म की सफलता अब पूरे कलाकार समूह और संतुलित कहानी पर अधिक निर्भर करती है।हालांकि शुरुआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत कर सकती है। यदि पहले दिन और शुरुआती सप्ताहांत में अनुमानित कमाई होती है, तो यह विजय के स्टारडम की ताकत का प्रमाण होगी। लेकिन किसी भी फिल्म की वास्तविक सफलता केवल शुरुआती कमाई से नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ से तय होती है।'जन नायकन' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि थलपति विजय के अभिनय सफर का अंतिम अध्याय भी मानी जा रही है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि उनके प्रशंसकों के लिए यह भावनात्मक अवसर हो। लेकिन फिल्म उद्योग के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि बदलते दौर में स्टारडम और अच्छी कहानी—दोनों का संतुलन ही स्थायी सफलता की कुंजी है। दर्शक अब केवल तालियों से नहीं, बल्कि अपनी ईमानदार प्रतिक्रिया से भी फिल्मों का भविष्य तय कर रहे हैं। यही भारतीय सिनेमा के परिपक्व होते दर्शक वर्ग की सबसे बड़ी पहचान है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर अखिलेश का बीजेपी पर हमला बोले- 'रामधन की चोरी महापाप, जनता देगी जवाब'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठे विवाद पर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने श्रद्धालुओं की आस्था के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि 'रामधन की चोरी' महापाप है और इसका जवाब जनता के साथ-साथ प्रभु श्रीराम भी देंगे। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, पेपर लीक और स्कूलों के बंद होने जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा।

राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे विवाद पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रभु राम के नाम पर श्रद्धालुओं ने जो चढ़ावा चढ़ाया, उसकी चोरी होना महापाप और महाअपराध है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता की आस्था का सम्मान करने के बजाय अपने लोगों की जेब भरने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले का जवाब सिर्फ प्रदेश की जनता ही नहीं, बल्कि प्रभु राम भी देंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि रामधन की चोरी हो गई। प्रभु श्रीराम के ऊपर जो चढ़ावा चढ़ाया गया था, वह चोरी हो गया। यह महापाप के साथ-साथ महाअपराध भी है। भातीय जनता पार्टी को इसकी सजा प्रभु श्रीराम की गरीब जनता देगी। श्रद्धा के साथ लोगों ने जो चढ़ावा चढ़ाया था, वह चोरी हो गया। भाजपा ने हमारी श्रद्धा और जनता की आस्था का अपमान किया है। इस महापाप का जवाब प्रभु श्रीराम भी देंगे और प्रदेश की जनता भी भाजपा को इसका जवाब देगी। अखिलेश यादव ने भदोही का नाम बदलने के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने भदोही का नाम बदल दिया, अच्छी बात है। हमें उम्मीद है जो संत रविदास जी के नाम पर जिले का नाम रखा है उन्हें पढ़ेंगे उनके विचारों को अपनाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि ये एक रंगी लोग कभी भी उनके विचारों पर नहीं चल सकते। अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज हम सभी सामाजिक न्याय की स्थापना की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में PDA के लोग मिलकर उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएंगे। अखिलेश यादव ने भाजपा पर शिक्षा के क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि इन्होंने न तो यूनिवर्सिटी बनवाई और न ही कॉलेज खोले। अब इंटरमीडिएट स्कूल भी बंद किए जा रहे हैं। ये लोग अब आदरणीय आजम साहब की यूनिवर्सिटी को भी हथौड़ा लेकर तोड़ना चाहते थे। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि जब सरकार की नीयत साफ होगी, तभी नीट जैसी परीक्षाएं भी साफ होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद 20 से ज्यादा पेपर लीक हुए हैं। अखिलेश यादव ने कहा, 'अभी सुनने में आया कि सरकार के लोग घबरा गए, जब मैंने लोकसभा में कहा कि 26 हजार प्राइवेट स्कूल बंद हो गए हैं। यह सिर्फ स्कूल बंद होने का मामला नहीं है। अगर एक स्कूल में औसतन पांच लोगों को रोजगार मिलता था, तो सरकार ने करीब एक लाख लोगों का रोजगार छीन लिया। ये मेरे आंकड़े नहीं, बल्कि सरकार के अपने आंकड़े हैं। भदोही जिले में ही करीब 300 स्कूल बंद हुए हैं। अगर किसी बेटी को पढ़ने जाना है, तो सरकार ने उसके लिए क्या व्यवस्था की है? गरीब परिवारों के बच्चों को पढ़ने से वंचित किया जा रहा है।'

लखनऊ के प्राइवेट अस्पताल में मरीज की मौत पर बवाल, परिजनों ने किया सड़क जाम

लखनऊ के प्राइवेट हॉस्पिटल में गुरुवार को मरीज की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा किया। अधिक पैसा जमा कराने का आरोप लगाकर हॉस्पिटल के सामने सड़क जाम कर दिया। परिजनों और हॉस्पिटल मैनेजमेंट के लोगों में हाथापाई हुई। 2 थानों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने 36 हजार रुपए वापस किए तो परिजन शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना मड़ियांव इलाके के इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे के पास जानकीपुरम के सैन्योर हॉस्पिटल की है। हॉस्पिटल के बाहर करीब 4 घंटे तक हंगामा चला। इससे ट्रैफिक भी प्रभावित रहा। सीतापुर के ग्राम गरौली बिसवा रोड में शिवाजी पांडेय (22) परिवार के साथ रहते थे। अलीगंज स्थित एक आइसक्रीम पॉर्लर में नौकरी करते थे। 27 जुलाई को सीतापुर के सिधौली में पिकप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। उनका केजीएमयू में उपचार चल रहा था। 29-30 जुलाई की रात उन्हें सैन्योर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। 30 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उनका आरोप है कि इलाज शुरू करने से पहले करीब पांच लाख रुपये जमा कराए गए थे। बाद में डेढ़ लाख रुपये जमा कराए। करीब साढ़े छह लाख रुपए जमा कराने के बाद शिवाजी पांडेय को मृत घोषित कर दिया।

सावन की शुरुआत के साथ शिवमय हुआ लखनऊ, भोर से मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सावन के पहले दिन भोर से ही लखनऊ के शिवालयों में भीड़ उमड़ पड़ी है। सुबह से ही भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और बेलपत्र अर्पित करने के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं। पूरे शहर का धार्मिक माहौल शिवमय है। इस बार सावन में चार सोमवार पड़ रहे हैं, जिनमें पहला सोमवार 3 अगस्त को होगा। इसे देखते हुए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर के मनकामेश्वर मंदिर, बुद्धेश्वर महादेव मंदिर, कोनेश्वर महादेव, चंद्रिका देवी परिसर स्थित शिव मंदिर, खाटू श्याम परिसर के शिवालय और विभिन्न मोहल्लों के प्राचीन शिव मंदिरों में शिवभक्त सुबह से हाजिरी लगा रहे हैं। मेयर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ चौक में कोनेश्वर महादेव के दर्शन किए। मंदिर समितियों के अनुसार 3 अगस्त को पहले सावन सोमवार पर सबसे अधिक भीड़ रहने की संभावना है। इसके लिए बैरिकेडिंग, पेयजल, मेडिकल सहायता और दर्शन की अलग-अलग लाइनें बनाई जा रही

हैं। कई मंदिरों में रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप और भजन-कीर्तन का भी आयोजन होगा। सावन में लखनऊ के मनकामेश्वर, बुद्धेश्वर, सिद्धनाथ और कोनेश्वर मंदिरों के आसपास यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा। आपातकालीन सेवाओं को रहेगी छूट, ट्रैफिक कंट्रोल रूम से सहायता ले सकते है। सावन के दौरान हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर और स्थानीय घाटों से गंगाजल लेकर आने वाले कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ेगी। इसे देखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। कई स्थानों पर शिविर और सेवा शिविर भी लगाए जाएंगे। सावन शुरू होने के साथ ही फूल, बेलपत्र, धतूरा, भांग, रुद्राक्ष, पूजा सामग्री और मिट्टी के पात्रों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ बढ़ गई है। मनकामेश्वर, बुद्धेश्वर और चौक-हजरतगंज के आसपास पूजा सामग्री की दुकानों पर सुबह से ही अच्छी बिक्री देखने को मिलेगी।

रोजगार मेले में युवाओं की चमकी किस्मत, 330 में से 225 अभ्यर्थियों को मिला जॉब ऑफर

लखनऊ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) अलीगंज में गुरुवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जॉब फेयर में कुल 330 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें 225 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए सुबह से ही अभ्यर्थियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। रोजगार मेले में टाटा मोटर्स लखनऊ, वेकमेट इंडिया, हिंदुस्तान सोलर, कांकर्ड कंट्रोल सिस्टम्स और एसबीआई इंश्योरेंस सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। ITI के प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खान ने बताया कि रोजगार मेले में कुल 330 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें 225 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। चयनित अभ्यर्थियों को 13 हजार 870 से 20 हजार प्रतिमाह तक का वेतन प्रदान किया जाएगा। मेडिकल के बाद बहुत जल्द सेलेक्टेड अभ्यर्थियों की जॉइनिंग होगी। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों का पंजीकरण करने के बाद लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर चयन हुआ। ITI अलीगंज के प्रिंसिपल डॉ.राज कुमार यादव ने बताया कि ऐसे रोजगार मेलों का उद्देश्य युवाओं को उद्योगों से जोड़ना, उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाना और स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में नौकरी के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि संस्थान आगे भी नियमित रूप से रोजगार मेलों का आयोजन करता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सके।

लखनऊ में अगले दो दिन बारिश के आसार नहीं

लखनऊ में सुबह से मौसम साफ बना हुआ है। हल्के बादलों की आवाजाही के साथ तेज धूप निकली है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले 2 दिन (30 और 31 जुलाई) बारिश नहीं होगी, लेकिन तेज हवाएं चलती रहेंगी। इससे उमस से राहत रहेगी। बुधवार को शहर में 10 मिमी बारिश होनी थी, लेकिन मानसून की सक्रियता घटने से केवल 0.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। वहीं, इस पूरे मानसून सीजन में अब तक सामान्य रूप से कुल 304.4 मिमी बारिश हो जानी चाहिए, लेकिन कुल 176.4 मिमी ही रिकॉर्ड हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बुधवार को अधिकतम तापमान 34.7 और न्यूनतम 28.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अधिकतम आर्द्रता 85 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 64 फीसदी रही। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगस्त की शुरुआत से एक बार फिर मानसून रफ्तार पकड़ेगा और तेज बारिश का दौर शुरू होगा।बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव वाला क्षेत्र अब मध्य भारत (छत्तीसगढ़ और ओडिशा) की तरफ बढ़ गया है। इसके कारण मानसून का मुख्य असर मध्य भारत की ओर शिफ्ट हो गया है।

आयुष बोर्ड के खिलाफ लखनऊ में छात्रों का बड़ा प्रदर्शन, कार्यालय का किया घेराव

लखनऊ में आयुष बोर्ड की कार्यप्रणाली के विरोध में गुरुवार को माध्यमिक, उच्च, तकनीकी एवं मेडिकल कॉलेज संयुक्त महासभा के बैनर तले प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आयुष बोर्ड कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी की। बोर्ड कार्यालय में प्रवेश करने की कोशिश पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया, जिससे कुछ देर तक मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल पहले से ही मौके पर तैनात था। जब प्रदर्शनकारियों ने बोर्ड कार्यालय के भीतर जाने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें मुख्य गेट पर ही रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कुछ देर तक नोकझोंक भी हुई, हालांकि स्थिति को जल्द ही नियंत्रित कर लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आयुष बोर्ड लंबे समय से प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर रहा है, जिससे छात्रों और शिक्षण संस्थानों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बोर्ड को तत्काल क्रियाशील करने, हाईकोर्ट के आदेशों को लागू करने और लंबित परीक्षाएं जल्द आयोजित कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान प्रमुख सचिव आयुष और बोर्ड के रजिस्ट्रार को तत्काल पद से हटाने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शनकारियों का कहना था

कि विभाग की कार्यशैली के कारण बोर्ड की व्यवस्था प्रभावित हुई है और छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। साथ ही बोर्ड के उपाध्यक्ष को तत्काल कार्यभार सौंपने की भी मांग की गई। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि बोर्ड की निष्क्रियता के कारण कई छात्र छात्रवृत्ति से वंचित रह गए हैं। ऐसे सभी छात्रों को उचित मुआवजा दिया जाए और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने आयुष मंत्री से मामले में न्यायसंगत फैसला लेने की मांग की। उनका कहना था कि यदि विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया जाता और छात्रों के हितों की अनदेखी जारी रहती है तो मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए।

उन्नाव में दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग, चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

उन्नाव में दही थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी में महिला से दिनदहाड़े हुई चेन स्नैचिंग के चार दिन बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। मामले के खुलासे के लिए पांच पुलिस टीमें, स्वाट और सर्विलांस यूनिट लगातार जांच में जुटी हैं। पुलिस अब तक 23 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल चुकी है और कुछ अहम सुराग मिलने का दावा कर रही है। यह घटना बीते रविवार सुबह करीब 6:45 बजे की है। आवास विकास कॉलोनी निवासी अर्चना दुबे चंद्रशेखर आजाद पार्क से मॉर्निंग वॉक कर घर लौट रही थीं। घर के पास पहुंचते ही बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और कुछ ही सेकंड में फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि महिला और आसपास मौजूद लोग बदमाशों को पकड़ नहीं सके। घटना की सूचना मिलते ही दही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालनी शुरू की। अब तक 23 कैमरों की फुटेज की जांच की जा चुकी है, जिसमें बदमाशों के आने-जाने के रास्ते, बाइक और उनकी पहचान से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। मामले के खुलासे के लिए पांच पुलिस टीमें गठित की गई हैं। स्वाट और सर्विलांस टीम भी तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। घटना के बाद आवास विकास कॉलोनी के लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने नियमित पुलिस गश्त वाले इलाके में इस तरह की वारदात पर सवाल उठाते हुए गश्त बढ़ाने और चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है। पीड़िता अर्चना दुबे ने बताया कि घटना इतनी तेजी से हुई कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। उन्होंने पुलिस से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं, चार दिन बीत जाने के बाद भी बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों की नजरें पुलिस की जांच और कार्रवाई पर टिकी हैं।

उन्नाव में बच्चों के विवाद ने लिया हिंसक रूप, मारपीट और तमंचा लहराने का वीडियो वायरल

उन्नाव के रजनीखेड़ा गांव में बच्चों के मामूली विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। मारपीट के बाद तमंचा लहराने और फायरिंग के कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। पुलिस वायरल वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर शाम रजनीखेड़ा गांव में बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट की सूचना मिली थी। सदर कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले आई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग का आरोप लगाया है। क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह ने बताया कि बच्चों के विवाद के बाद दोनों परिवारों में मारपीट हुई, जिसमें दिवाकर लोध घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। विनी सिंह ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मारपीट और तमंचा लहराने के वीडियो की जांच की जा रही है। वीडियो में दिख रहे लोगों कघटना के संबंध में एक महिला का बयान भी सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया कि बच्चों के झगड़े के बाद पुरानी रंजिश के चलते दूसरे पक्ष के लोग बड़ी संख्या में उनके घर आ गए। महिला का दावा है कि पहले ईंट-पत्थर फेंके गए और फिर फायरिंग की गई। मारने की नीयत से हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने बताया कि फायरिंग के आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मेडिकल रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और वायरल वीडियो के आधार पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

उन्नाव पुलिस में बड़ा फेरबदल, एसएसपी ने 9 एसआई के किए तबादले

उन्नाव में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने नौ एसआई के तबादले किए गए हैं। कई अहम चौकियों और थानों के प्रभार बदले गए हैं। अधिकारियों को तत्काल नई तैनाती वाले स्थान पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस महकमे में यह फेरबदल प्रशासनिक जरूरतों और कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने देर रात तबादला सूची जारी कर कई चौकी प्रभारियों और थानों में तैनात उपनिरीक्षकों की जिम्मेदारियां बदल दीं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि समय-समय पर होने वाले ऐसे बदलाव से कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा आती है और क्षेत्रीय पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। जारी आदेश के अनुसार चौकी प्रभारी सदर, थाना कोतवाली के पद पर तैनात उपनिरीक्षक अनिल कुमार साह को ललऊखेड़ा चौकी का प्रभार सौंपा गया है। वहीं थाना गंगाघाट में तैनात उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र को सदर चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है। चौकी प्रभारी दोस्तीनगर अजय कुमार शर्मा का तबादला थाना गंगाघाट कर दिया गया है। उनकी जगह पुलिस लाइन में तैनात महिला उपनिरीक्षक गीता सिंह को दोस्तीनगर चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है।

उन्नाव में मेहरबान हुआ मानसून, बारिश से गर्मी गायब, किसानों के चेहरे खिले

उन्नाव में गुरुवार दोपहर करीब एक बजे मौसम ने अचानक करवट ली। घने बादलों के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश ने जिले का मौसम सुहाना बना दिया। लगभग आधे घंटे तक हुई इस बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे लोगों ने सुकून महसूस किया। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही थी और धूप-बादलों के बीच आंख-मिचौली चल रही थी। दोपहर करीब एक बजे अचानक मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कुछ इलाकों में मध्यम तो कुछ स्थानों पर तेज वर्षा दर्ज की गई। बारिश के कारण शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को कुछ देर के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, बारिश थमने के बाद मौसम खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में जिले में लगभग 70 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। यह लगातार हो रही बारिश खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। धान, मक्का और बाजरा सहित अन्य फसलों के खेतों में पर्याप्त नमी बनने से सिंचाई की आवश्यकता कम हो गई है। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश जारी रही, तो फसलों की बढ़वार बेहतर होगी और उत्पादन में भी वृद्धि की उम्मीद है। बारिश का सकारात्मक असर पर्यावरण पर भी दिखा। वातावरण में फैली धूल बैठ गई, जिससे हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ। गर्मी कम होने के कारण बाजारों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही भी बढ़ गई। वहीं, शहर के कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी, जिसके चलते वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी।

उन्नाव PHC में बड़ा खुलासा,

मरीजों को बांटी जा रहीं थीं एक्सपायरी दवाएं

उन्नाव के पुरवा एसडीएम ने गुरुवार सुबह हिलौली स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मरीजों को एक्सपायरी दवाएं वितरित की जा रही थीं और पांच कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। उप जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई और अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोकने की संस्तुति की है। निरीक्षण के समय प्रभारी तहसीलदार भी मौजूद रहे। उप जिलाधिकारी ने बताया कि पीएचसी हिलौली में कुल 26 अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें दो स्थायी और दो संविदा चिकित्सक शामिल हैं। जांच में स्वीपर संदीप, एआरओ अजीत कुमार, बेसिक हेल्थ वर्कर सुधांशु श्रीवास्तव, हेल्थ एजुकेशन ऑफिसर संदीप और अपर डिवीजन क्लर्क गुलाब सिंह बिना अवकाश आवेदन के अनुपस्थित मिले। इन सभी का वेतन रोकने की संस्तुति की गई है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. दीपक वर्मा की मौजूदगी में दवा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि कुछ चिकित्सक मरीजों को सरकारी अस्पताल के बजाय बाहर की दवाएं लिख रहे थे, जो नियमों का उल्लंघन है। सबसे गंभीर लापरवाही एक्सपायरी दवाओं का वितरण था। उप जिलाधिकारी ने इसे मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बताते हुए फार्मासिस्ट राजेंद्र सिंह यादव के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की संस्तुति की है। ओपीडी निरीक्षण के दौरान महिला चिकित्सक डॉ. साइन्दा जफर, जूनियर डॉक्टर डॉ. प्रतीक कुमार और सी.एल. वर्मा मरीजों का उपचार करते मिले। अधिकतर मरीज बुखार, डायरिया और प्लेटलेट्स की कमी जैसी समस्याओं से पीड़ित थे। उप जिलाधिकारी ने इसे क्षेत्र में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के प्रभावी न होने का संकेत मानते हुए हिलौली क्षेत्र में पुनः विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता जताई। निरीक्षण के दौरान दवा वितरण केंद्र के स्टॉक और वितरण रजिस्टर में भी अनियमितताएं पाई गईं, जिन्हें वित्तीय अनियमितता का संकेत माना जा रहा है। लेबर रूम में केवल स्टाफ नर्स निशा देवी तैनात मिलीं, जबकि वहां कोई स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नियुक्त नहीं थी।

उन्नाव में नगर पालिका की नई पहल, सार्वजनिक स्थलों पर लग रहे वाटर कूलर

नगर पालिका परिषद उन्नाव ने शहरवासियों को स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की है। गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 11 बजे नगर पालिकाध्यक्ष श्वेता मिश्रा और उनके प्रतिनिधि भानु मिश्रा ने जिला अस्पताल परिसर में वाटर कूलरों का उद्घाटन किया। इनमें सरकारी अस्पताल, महिला वार्ड और पोस्टमार्टम हाउस में लगाए गए कूलर शामिल हैं। नगर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर चरणबद्ध तरीके से वाटर कूलर स्थापित किए जा रहे हैं। नगर पालिका प्रतिनिधि भानु मिश्रा ने जानकारी दी कि पहले चरण में शहर के 11 प्रमुख स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं और उन्हें स्वच्छ पानी की आवश्यकता होती है। इन चिन्हित स्थानों में से छह पर वाटर कूलर स्थापित किए जा चुके हैं और उन्हें चालू कर दिया गया है। इनमें जिला न्यायालय, डाकघर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी), सरकारी अस्पताल, महिला वार्ड और पोस्टमार्टम हाउस शामिल हैं। शेष पांच स्थानों पर एक सप्ताह के अंदर काम पूरा कर लिया जाएगा। कचहरी बार एसोसिएशन में स्थापना का कार्य प्रस्तावित है, जबकि रजिस्ट्री कार्यालय में लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। बस स्टैंड पर भी वाटर कूलर लगाने की योजना है, जिसके लिए संबंधित विभाग से स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। अनुमति मिलते ही वहां भी काम शुरू होगा। नगर पालिका का उद्देश्य शहर के प्रत्येक ऐसे सार्वजनिक स्थल पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करना है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक, मरीज, छात्र और अधिवक्ता पहुंचते हैं। गर्मी और उमस के मौसम में लोगों को राहत देने के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। नगर पालिकाध्यक्ष श्वेता मिश्रा ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पालिका लगातार कार्य कर रही है और भविष्य में अन्य प्रमुख स्थानों पर भी ऐसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उद्घाटन कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

गाजीपुर से विपक्ष पर बरसे CM योगी, बोले- राष्ट्रनायकों का सम्मान हमारी सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजीपुर में 692 करोड़ रुपये की 268 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विकास कार्यों के साथ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला तथा राष्ट्रनायकों के सम्मान को लेकर अपनी सरकार की नीति गिनाई। मुख्यमंत्री ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के विस्तार और गाजीपुर की बेहतर कनेक्टिविटी का भी ऐलान किया।

C M योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजीपुर दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 692 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 268 जन-कल्याणकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों के साथ-साथ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन दलों की नीतियों के कारण गाजीपुर की पहचान धूमिल हुई, जबकि उनकी सरकार राष्ट्रनायकों को सम्मान देने और प्रदेश के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। अपने संबोधन में CM योगी ने कहा कि गाजीपुर वीरों, साहित्यकारों और महान विभूतियों की भूमि रही है। उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध के वीर शहीद राम उग्र पांडे, हिंदी साहित्यकार कुबेरनाथ राय, गोपाल राय और गोपालराम गहमरी जैसी हस्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इतने गौरवशाली इतिहास के बावजूद एक समय ऐसा आया जब जिले की पहचान संकट में पड़ गई। CM योगी ने अपने भाषण में महाराजा सुहेलदेव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराजा सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांता सालार मसूद को पराजित कर देश की रक्षा की थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने उनके सम्मान में कभी कोई बड़ा आयोजन नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले सालार मसूद के नाम पर मेले आयोजित होते थे, जबकि उनकी सरकार ने इस पर रोक लगाकर महाराजा सुहेलदेव की स्मृति में आयोजन शुरू कराए। साथ ही बहराइच में उनकी भव्य प्रतिमा और स्मारक का निर्माण कराया गया तथा उनके नाम पर मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय की स्थापना भी की गई। CM योगी ने कहा कि BJP की डबल इंजन सरकार राष्ट्रनायकों को उचित सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने देश और समाज की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया, उन्हें सम्मान मिलना चाहिए, न कि विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजीपुर में मेडिकल कॉलेज बन चुका है और सड़क संपर्क में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि अब गाजीपुर से लखनऊ की दूरी करीब 3 से साढ़े 3 घंटे में पूरी की जा सकती है, जबकि पहले इसमें 8 से 10 घंटे तक लग जाते थे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को चंदौली, वाराणसी होते हुए शक्तिनगर तक जोड़ने की दिशा में सरकार काम करेगी, जिससे पूर्वांचल की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। वहीं, मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि उसके शासनकाल के कामकाज का पर्दाफाश किया जाए तो उसके नेताओं के लिए जनता के बीच जाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले नौकरियों में पारदर्शिता नहीं थी और भर्ती प्रक्रियाओं में धांधली होती थी। उन्होंने कहा कि चाचा-भतीजे की जोड़ी पहले युवाओं की नौकरी में सेंधमारी के लिए निकल पड़ती थी।

NEET आंदोलन पर BJP का बचाव, पंकज चौधरी बोले- दोषियों पर हुई कार्रवाई, आंदोलन में असामाजिक तत्व भी थे

नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर उठे सवालों के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन सरकार ने पहले दिन से ही दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की। साथ ही दावा किया कि आंदोलन में छात्रों के साथ असामाजिक तत्व भी शामिल थे। पंकज चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए साल 1984 के दंगों का जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की व्यवस्थाओं का भी बचाव करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और यात्रा को सकुशल संपन्न कराना सरकार की प्राथमिकता है। पंकज चौधरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा युवाओं की चिंता की है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, लेकिन सरकार ने पहले ही दिन तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस मामले में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पंकज चौधरी ने कहा कि जांच में जहां-जहां दोषी पाए गए, उनमें छात्रों के साथ-साथ असामाजिक तत्व भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ हल्का बल प्रयोग हुआ, जो नहीं होना चाहिए था, लेकिन कभी-कभी परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज आरोप लगा रहे हैं और मुझे ज्ञान दे रहे हैं, वे 1984 के दंगों को भी याद करें।

देवरिया में अंबेडकर प्रतिमा हटाने पहुंची पुलिस पर पथराव, महिलाओं समेत ग्रामीणों का हंगामा

देवरिया के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के लवकनी गांव में सरकारी जमीन पर लगाई जा रही डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा हटाने पहुंची पुलिस और राजस्व टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। विरोध इतना बढ़ गया कि महिलाओं ने भी ईंट-पत्थर फेंके, जिससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए और पुलिस को पीछे हटना पड़ा। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी मौके पर पहुंची, जिसके बाद हालात पर काबू पाया गया। पुलिस ने प्रतिमा हटाकर थाने भिजवा दी और जेसीबी से चबूतरा भी हटवा दिया। मामले में अब तक 12 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि वीडियो के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। यह मामला गौरी बाजार थाना क्षेत्र के लवकनी गांव का है। प्रशासन को सूचना मिली थी कि ग्राम समाज की जमीन पर बिना अनुमति अंबेडकर प्रतिमा स्थापित की जा रही है। सूचना मिलने के बाद गुरुवार शाम करीब चार बजे राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम गांव पहुंची। गांव में पहले से तनाव की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। दलित समाज के लोग प्रतिमा स्थापित करने की मांग पर अड़े रहे। इसी दौरान माहौल अचानक बिगड़ गया और पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके जाने लगे। पथराव इतना तेज था कि पुलिसकर्मियों को पीछे हटना पड़ा। कई जवान घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। महिलाओं ने भी पुलिस पर ईंट और पत्थर फेंके। स्थिति बेकाबू होने के बाद पुलिस ने अतिरिक्त बल बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठी फटकार कर भीड़ को तितर-बितर किया और पूरे इलाके को अपने कब्जे में लिया।

ग्रेटर नोएडा में छात्रों तक ड्रग्स पहुंचाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 15 लाख की विदेशी नशीली दवाएं बरामद

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क इलाके में पुलिस ने छात्रों तक विदेशी और सिंथेटिक ड्रग्स पहुंचाने वाले एक संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर यूनिवर्सिटी, कॉलेज और हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को नशीले पदार्थों की सप्लाई करते थे। आरोपियों के कब्जे से करीब 15 लाख रुपये कीमत की विभिन्न प्रकार की प्रतिबंधित ड्रग्स बरामद की गई हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की सप्लाई चेन और इससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। एडिशनल DCP संतोष कुमार के मुताबिक, थाना नॉलेज पार्क पुलिस 30 जुलाई को क्राउन एक्सपो की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर 4 लोगों को रोककर तलाशी ली गई। जांच में उनके पास भारी मात्रा में नशीले पदार्थ मिलने के बाद सभी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.05 किलोग्राम सिलोंग गांजा, 70 ग्राम शैम्पेन एमडी, 75 ग्राम ओजी (ओरिजिनल ग्रोअर कैलिफोर्निया वीड), 144 एमडीएमए एक्स्टेसी गोलियां और 63 ग्राम काला हशीश बरामद किया है। इसके अलावा ड्रग्स की तौल के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला इलेक्ट्रॉनिक कांटा और सप्लाई में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और खासतौर पर WhatsApp के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करते थे। ऑर्डर मिलने के बाद कॉलेज, यूनिवर्सिटी और हॉस्टल में रहने वाले छात्रों तक ड्रग्स पहुंचाई जाती थी। पुलिस के अनुसार विदेशी ड्रग्स 3 से 4 हजार रुपये प्रति ग्राम तक बेची जाती थी, जिससे यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय होने की आशंका है।